लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

website: www.pawanprawah.com

# पवन प्रवाह

सत्य का प्रवाह सतत् प्रवाह

डाक पंजीयन संख्या GPO LW/NP-106/2015-17

वर्ष 04 अंक 07 लखनऊ। सोमवार 06 से 12 नवम्बर-2017

e-mail-pawanprawah@gmail.com

मूल्य : तीन रुपये पृष्ठ-16



# प्राणिक ऊर्जा : विशिष्ट उपचार

**लेखक डॉ. भरत राज सिंह**
स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज के महानिदेशक एवं वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष हैं

ऊर्जा प्रवाह के सुधार की विधि

पिछले 23 (तेईस) अंकों में हमने भौतिक शरीर में ऊर्जा का संचार व उससे उत्पन्न ऊर्जा (आभा), जो भौतिक शरीर के कुछ क्षेत्र तक प्रभावी रहती है तथा प्राण के स्त्रोत, रंग प्राण व उसमें मुख्यतः प्राणिक ऊर्जा (शक्ति) किसे कहते हैं व क्या लाभ हैं, भौतिक शरीर में चक्रों का क्या महत्व है व इससे शरीर की ऊर्जा का संतुलन कैसे प्रभावी होता है: ऊर्जा (आभा) के परत, उनका महत्व और उससे शारीरिक स्वास्थ्य में, क्या लाभ होगा, तथा शारीरिक रोगों के निदान में प्राणिक उपचार (हीलिंग), ऊर्जा के सात चक्रों को जाग्रित करने के बारे में तथा मौलिक उपचार के लिए स्तर-I व विशिष्ट उपचार स्तर-II में प्रत्यक्ष ऊर्जा के लिए विजुअलाइजेशन व अवरूद्ध चक्र, औरिक ऊर्जा की अशुद्धिया, आभा और चक्रों के गूढ़ ज्ञान, सहज ज्ञान से आभा और चक्रों को पढ़ने की जानकारी से पूर्णतः अवगत हुये थे। इस अंक में, सहज ज्ञान से आभा और चक्रों के पार्दर्शिता आदि के विषय मे क्रमशः आगे बताया गया है।

**(भाग-24)**

**क्रमशः...**

**21.2 स्थानांतरित आभा चार्ज:** कभी-कभी यह पाया जाता है कि शरीर के कुछ निश्चित क्षेत्रों में ऊर्जा की कमी है यह एक विशेष रूप से सामान्य स्थिति नहीं है, लेकिन कभी जिगर के चरम भाग-बाहों के निचले हिस्से व हाथ या/और पैर के निचले हिस्से या पैर- में ऊर्जा की कमी की स्थिति अनुभव की जाती है, यद्यपि क्षेत्र की समग्र ऊर्जा विशेषृप से कम नहीं होती है। इस स्थिति को उस क्षेत्र की आभा चार्जिंग के साथ ही ठीक किया जा सकता है।

अगर आपको लगता है कि ऊर्जा की कमी के लिए, यह आवश्यक है तो पैर से घुटने तक-पैर के निचले हिस्से के साथ ही घुटने से हिप तक संयुक्त रूप से, चार्ज के लिये (ऊपर दी गयी 1 और 2 की प्रक्रिया) को अपनाये। निचले बाहों में ऊर्जा की कमी के लिये-प्रत्येक बाहों को हाथ से कोहनी तक चार्ज करने के लिये, मरीज के हथेली पर अपने दाहिने हाथ की हथेली को और दूसरी हथेली को कोहनी के अंदर संयुक्त रूप से रखकर ईलाज करें। बाहों से कंधे तक यदि आवश्यक हो तो प्रत्येक बाहो पर चार्ज करें। यह आमतौर पर आवश्यक नहीं है फिर भी पूरी आभा चार्जिंग का उपचार बाहों में किया जाना आवश्यक है तो यह भी शामिल किया जा सकता है।

**22.0 ऊर्जा फ्लो का सुधार:** आपको मानसिक जानकारी और मार्गदर्शन के अनुभव के दौरान, आपने अपने मरीज के समग्र ऊर्जा क्षेत्र में ऊर्जा की गड़बड़ी का पता लग सका होगा। ऊर्जा प्रवाह में एक वैश्विक अशांति भी आती है, जहां एक रोगी का पूरा ऊर्जा क्षेत्र-बाधित हो रहा है और जिसमें आभा में समग्र ऊर्जा प्रवाह अनिश्चित और असमान है। यह स्थिति अक्सर एक क्षणिक प्रकृति की होती है, लेकिन यह रोगी के ऊर्जावान स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और सातवे (7वें) चक्र पर एक विशिष्ट तरीके से स्टार का उपयोग किया जा सकता है।

**22.1 रोगी में ऊर्जा प्रवाह सुधार का सही तरीका:** अपने रोगी के सिर की तरफ बैठकर या घुटने का टेक लें ताकि आपके कंधे लगभग मरीज के सिर के ऊंचाई के स्तर पर हो। इस तरह से अपने मरीज के सिर के ऊच्चम भाग (क्राउन) का सामना करते हुए, अपने हाथों को अपने सामने हाथ को खुला रखें जैसे कि आपकी उंगलियां थोड़ी सी घुमावदार हैं, लेकिन हथेलियों खुली हों और आपके हाथों से मरीज के सिर और शरीर का दूर का सामना करना पड़ रहा है। रोगी के सिर के क्राउन पर अपनी उंगलियों को रखें, आपके अंगूठे नीचे की ओर इशारा करते हुए, हथेलिया मरीज के शरीर (और आप से दूर) की तरफ का सामना करती नजर आ रही हो, लेकिन हथेलियां मरीज के सिर की सतह को न छू रही हो। एक हाथ की उंगलियों और दूसरे की उंगलियों के बीच का अंतर दो इंच का होना चाहिए। रोगी के पूरे शरीर की तरफ ऊर्जा भेजते समय अब स्टार को कल्पना करे। ऊर्जा आपके हथेलियों के साथ-साथ अपनी उंगलियों से भी प्रवाहित होगी, परंतु हथेलियां का रोगी के शरीर की सतह से संपर्क नहीं होना चाहिये। जब आप स्टार को देख रहे हैं और ऊर्जा भेजते हैं, एक ही समय में कल्पना करें, पूरे ऊर्जा क्षेत्र को एक सामंजस्यपूर्ण प्रवाह को हारमोनाइस करने का इरादा रखते हैं और उसको समझते भी हैं।

रोगी के क्षेत्र में ऊर्जा के प्रवाह को मर्ज करने और उसमे भागीदार बनने का प्रयास करें, जब आप इस स्थिति का अभ्यास करते हैं और इस तकनीक आप अपने अन्तरचक्षु में देखिए, तो एक सामंजस्यपूर्ण बनाता है-यहां तक कि पूरे क्षेत्र में पैटर्न को सुधारने वाली लगातार व स्मूथ ऊर्जा का प्रवाह बन जाती है। इस प्रकार से 1 से 2 मिनट तक आप स्टार के दृश्य को ध्यान में रखते हुए लगातार व स्मूथ ऊर्जा प्रवाह को भेजते रहे। अपनी आंखों को बंद कर, स्टार के दृश्य का अनुभव करते हुए, इस तकनीक के अभ्यास करने में आसानी हो जाती है, उसके बाद आप अपनी आंखों को खोलकर भी इस तकनीक के उपयोग करने की क्षमता को बढ़ा सकते हैं। इस दुनिया में, स्टार में एक उच्च दायरे ऊर्जा को-एक चैनल के रूप में कार्य करने व खींचने की क्षमता है। रोगी के क्षेत्र में-स्टार को ध्यान में रखकर व ऊर्जा प्रवाह को दृष्टगत रखकर चिकनी व सामंजस्यपूर्ण ऊर्जा मिश्रित कर, 7वीं चक्र के माध्यम से, एक उच्च स्तर की ऊर्जा को रोगी के ऊर्जा क्षेत्र (जो इस उच्च क्षेत्र से मेल खाती है), में केंद्रित करने के लिए कार्य करती है और पूरे क्षेत्र में, बहुत अधिक मात्रा व शक्तिशाली ऊर्जा प्रवाह में सुधार प्रदान करती हैं।

**22.2 ऊर्जा प्रवाह के स्थानीय सुधार:** यह संभव है कि उर्जा में हो रहे परिवर्तन (अशांति) को शरीर के सभी हिस्सों के बजाय, शरीर के किसी निश्चित क्षेत्र में स्थानीकरण किया जाय। अक्सर, लेकिन हमेशा नहीं, यह धड़ (कंधों व कूल्हों के बीच) केन्द्रित की जा सकती है। यह आप अपने अन्तरचक्षु व विचारों से सहजता से पता लगा सकते हैं। इस परिस्थिति में, आपको अपने हाथ की स्थिति को ऊपर ले जाते हुए, स्टार को अन्तरचक्षु में देखने के दौरान, अपने इरादे और समझ को बल देते हुए, यह अनुभव करें कि उस क्षेत्र में ऊर्जा लगातार व अंत तक बह रही है। आप अपने इस ऊर्जा प्रवाह के साथ कल्पना करें कि ऊर्जा जो गलत दिशा में या अनगिनित रूप से चलती है, उसे आपके इस प्रवाह से उचित तरीके से आगे बढ़ने व उसमे विलय होने में मदद कर रही है। यह प्रक्रिया पूरे शरीर पर करें, जब आप इस विजुअलाइज़ेशन के द्वारा रोगी के शरीर में, विशेष रूप से अशांत क्षेत्र पर ध्यान देते हुए, अपने हथेलियों से ऊर्जा को भेजते हैं।

**23.0 अतिरिक्त तकनीकों का उपयोग:** ऊर्जा उपचार में कुछ अतिरिक्त तकनीकें हैं जो आप अपने इलाज के प्रदर्शनों में भी जोड़ सकते हैं:

**23.1 शारीरिक ऊर्जा पर विशेष ध्यान:** हथेलियो को ऊपर ले जाने के दौरान जब आप अपने मरीज को हाथ पासिंग के दौरान, विभिन्न स्थानों को चिन्हित करते हुए इलाज करते हैं, उस समय आपको मरीज के शरीर की ऊर्जा स्थिति के बारे में अधिक जानकारी होना अच्छा होता है। अब जब आप प्राणिक ऊर्जा के द्वितीय-स्तर पर है, तो आपके हाथ स्वतः ऊर्जा प्रवाह के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। आप पाएंगे कि यह न केवल हाथों के पासिंग के दौरान, बल्कि आपके हाथों में भी अनुभव हो सकता है, जब आप अपने रोगी में ऊर्जा का संचालन विभिन्न हाथों की स्थिति के दौरान करते हैं।

ऐसी स्थिति में, जब आप ऊर्जा का संचालन करते हैं, आप अपने हाथों में नाजुक संवेदनाओं के बारे में जागरूक हो जाते हैं और आप उस समय जो भी अनुभव कर रहे होते हैं-वह विस्तार से अपने विचारों के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। विभिन्न प्रकार की अनियमितताओं, जो आपके मरीज की ऊर्जा क्षेत्र में रहती है, आपको अपनी ऊर्जा क्षेत्र की स्थिति के द्वारा अधिक जानकारी दे सकती है। यह, अन्य तकनीकों की तरह है, जैसे कि आप अपने रोगी की स्थिति के बारे में जानकारी, आपको मरीज के शरीर की ऊर्जा सीखने और महसूस करने में सहायता प्रदान कराती हैं और उस काम में मार्गदर्शन देती हैं। नियमित रूप से हाथ की पासिंग के दौरान, आपके रोगी की शरीर की ऊर्जा को इस तरह से समझने के लिए अच्छा है और साथ ही पूरक हाथ की पासिंग के दौरान भी नीचे दिए गए तरीको में भी ज्ञान अर्जित करेंगे। यह आपको न केवल प्रत्येक व्यक्ति के रोगी की स्थिति सीखने में सहायता करेगा, बल्कि मानव शरीर में मौजूद ऊर्जा के समग्र-ज्ञान को विकसित करने में भी मदद करेगा।

**23.1 कंधे की स्थिति:** यह प्रक्रिया उपचार के शुरुआत में, अपने रोगी के सिर की तरफ खड़े होकर शुरू की जाती है:

अपने हाथों को रोगी के कंधे पर रखें ताकि वे गर्दन और कंधे के बाहरी छोर के बीच हो। कई मिनटों तक ऊर्जा का संचालन करें, ऊर्जा को स्थानांतरित करने की इजाजत दें और अपने आप को आराम करने और अपने मरीज की शरीर की ऊर्जा को जोड़ने और समझने की अनुमति देती है। यह स्थिति इलाज के शुरुआत में की जाती है, यदि आपको लगता है कि इससे मरीज को आराम मिलेगा और आपके प्रति विश्वास भी जागृत होगा, और आप अच्छे तरीके से मरीज में उपचार कर सकेंगे। यह उपचार के लिए एक आवश्यक स्थान नहीं निर्धारित करता है, लेकिन इस तरीके से सहायता करता है। यह एक अच्छी शुरुआत की स्थिति है, खासकर यदि आपको लगता है कि आपके मरीज को कुछ घबराहट है अथवा आप शुरुआत में, मरीज में जुड़ाव हेतु थोड़ा सी परेशानी महसूस करते हैं और आपको रोगी के ऊर्जा क्षेत्र को समझने में भी दिक्कत होती है।

**23.2 सातवे (7वें) चक्र पर स्टार का प्रयोग करना:** यदि आप चाहें, तो हाथ की पासिंग के दौरान, सातवे चक्र के इलाज करते समय स्टार का सामान्य रूप से उपयोग कर सकते हैं। हाथों की पासिंग के नियमित रूप से उपयोग के दौरान, सातवें चक्र का इलाज करते समय स्टार की कल्पना करे कि यह हमारे पूर्ण स्वस्थ करने के अनुरूप है और इस तरह स्टार का उपयोग करके शक्तिशाली रूप से रोग साफ हो गया है।

स्टार हमारे निचले और उच्चतर विश्व के बीच एक चैनेल का प्रतिनिधित्व करता है (निचला व उच्च स्वय के लिये, लेकिन सीमित नहीं है)। इस प्रकार 7वें चक्र का इलाज करने के लिये स्टार को चैनेल के रूप में उपयोग कर, रोगी के पूरे अध्यात्मिक और आध्यात्मिक प्रक्रिया को साफ करने के लिए कार्य करता है। स्टार का ऊर्जावान प्रकृति, 7वें चक्र की प्रकृति से सम्बंधित है और इस चक्र का प्रभावशाली उपचार करने और रोगी को अपने आध्यात्मिक सार से जोड़ता है। इस तरह से समाशोधन पूरे उपचार की प्रक्रिया के लिए ठीक उदाहरण है। यह चिकित्सा उपचार के लिए एक प्रभावी अतिरिक्त प्रक्रिया है।

**शेष अगले अंक भाग-25 में पढ़े....**